सीताराम सीताराम सीताराम कहिए

मुख में हो राम नाम, राम सेवा हाथ में,
तू अकेला नाहीं प्यारे, राम तेरे साथ में,
विधि का विधान जान, हानि लाभ सहिए,
जाहि विधि राखे राम, ताहि विधि रहिये
सीताराम सीताराम सीताराम कहिए,
जाहि विधि राखे राम, ताहि विधि रहिए।

ज़िन्दगी की डोर सौंप, हाथ दीनानाथ के,
महलों मे राखे चाहे, झोंपड़ी मे वास दे,
धन्यवाद निर्विवाद, राम राम कहिए,
जाहीं विधि राखे राम, ताहि विधि रहिये
सीताराम सीताराम सीताराम कहिए,
जाहि विधि राखे राम, ताहि विधि रहिए।

किया अभिमान तो फिर, मान नहीं पायेगा,
होगा प्यारे वही, जो श्री रामजी को भायेगा,
फल आशा त्याग, शुभ काम करते रहिये,
जाहीं विधि राखे राम, ताहि विधि रहिये
सीताराम सीताराम सीताराम कहिए,
जाहि विधि राखे राम, ताहि विधि रहिए।

आशा एक रामजी से, दूजी आशा छोड़ दे,
नाता एक रामजी से, दूजा नाता तोड़ दे,
साधु संग राम रंग, अंग अंग रंगिये,
जाहीं विधि राखे राम, ताहि विधि रहिये
सीताराम सीताराम सीताराम कहिए,
जाहि विधि राखे राम, ताहि विधि रहिए.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23688/title/sitaram-sitaram-sitaram-kahiye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |